हफ्ते भर में कैसे रोकेंगे वॉटरलॉगिंग

Photos : Sunil Kataria

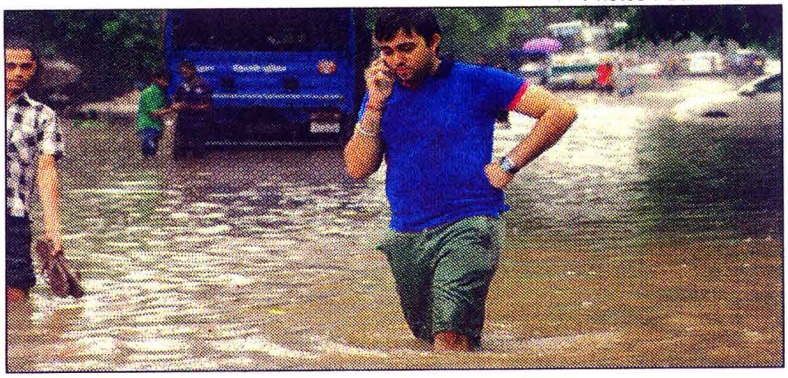

प्रमुख संवाददाता ॥ नई दिल्ली

दिल्ली में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव को रोकने के लिए हाई कोर्ट ने जो डेडलाइन दी है, उससे यह सवाल किया जा रहा है कि सिविक एजेंसियां साल भर में जो काम नहीं कर पाईं, वे एक हफ्ते में कैसे कर लेंगी। जानकारों और सिविक एजेंसियों के अधिकारी भी मानते हैं कि हफ्ते भर में पूरे सिस्टम को दुरुस्त करना संभव नहीं है।

डीडीए के पूर्व प्लानिंग कमिश्नर और सिटी/पॉलिसी प्लानर आर.जी. गुप्ता के मुताबिक सीवर, ड्रेनेज और सॉलिड वेस्ट, ये तीनों चीजें जब आपस में मिल जाती हैं, तो परेशानी बढ़ती है। हमने यमुनापार में बरसात के पानी की निकासी के तीन बड़े नाले बनाए थे, लेकिन सरकार ने सीवर लाइन को उन नालों से मिला दिया। समय पर कूड़ा-कचरा नहीं उठाए जाने से बारिश के पानी के साथ वह भी नालों में चला जाता है। जब तक सॉलिड वेस्ट, सीवर और ड्रेनेज मैनेजमेंट के लिए अलग-अलग प्लान बनाकर अलग नहीं किया जाएगा, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

जानकार और अधिकारियों का कहना, इतने कम समय में यह काम मुश्किल

उनका कहना है कि दिल्ली का 70 पर्सेंट एरिया अनियोजित तरीके से डिवेलप हुआ है। इसमें अनधिकृत कॉलोनियां, झुग्गी बस्तियां, शहरी और ग्रामीण विलेज आदि शामिल हैं। हमने मास्टर प्लान में इन इलाकों के लिए योजना बनाकर उन्हें फिर से डिवेलप और कंस्ट्रक्ट करने का सुझाव दिया था, लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ।

उन्होंने माना कि एक हफ्ते में दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करना नामुमकिन है, लेकिन उनका यह भी कहना है कि इसके लिए दिल्ली के पुराने ड्रेनेज सिस्टम को दोष देना ठीक नहीं है। अगर ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और मेंटिनेंस का काम ठीक से हो, तो इतनी परेशानी नहीं होगी।

उधर, साउथ एमसीडी के कमिश्नर मनीष गुप्ता का कहना है कि अगर अचानक भारी बारिश हो जाती है, तो वॉटरलॉगिंग को रोकना मुश्किल होता है। सामान्य बारिश होती है, तो उसे हैंडल किया जा सकता है। दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम 40-50 साल पुराना है और उसे मैनेज करने में कई तरह की दिक्कतें आती हैं। शहर के अनियोजित विकास का भी ड्रेनेज सिस्टम पर काफी असर पड़ता है। अब दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम को बदलने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसके लिए आईआईटी के विशेषज्ञों की मदद से ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाने का काम भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमने नालों की सफाई और निकासी के लिए कई इंतजाम किए हैं। एमसीडी के नालों की समय पर और अच्छी तरह से सफाई की गई है। निचले इलाकों में पानी निकालने के लिए पंप लगाए गए हैं।

On the basis of discussion with Mr. R.G.Gupta by Mr. Rameshwar Dayal.